प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा है कि हिमाचल अब केवल पहाड़ों का प्रदेश नहीं बल्कि संभावनाओं और समाधान का केंद्र बन रहा है। धर्मशाला में आयोजित आत्मनिर्भर भारत प्रदशर्नी के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में उन्होंने ये बात कही। राज्यपाल ने कहा कि ये आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने सभी संगठनों से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने में प्रधानमंत्री द्वारा इस दिशा में किए जा रहे नवोन्मेषी प्रयासों में सहयोग करने का आहवान किया ताकि भारत विकास के पथ पर और तेजी से अग्रसर हो सके। राज्यपाल ने नशामुक्त हिमाचल अभियान में हर वर्ग द्वारा दिए जा रहे सहयोग पर संतोष जताते हुए सभी उद्यमियों, योजनाकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से नशामुक्ति को विकास की मुख्य धारा में लाने का आग्रह किया। इस अवसर पर कृषि, बागवानी, एम.एस.एम. ई. खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य, अनुसंधान, रक्षा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, ग्रामीण नवाचार व स्टार्टअप से संबंधित प्रदर्शनी व सत्रों का आयोजन किया गया। लोकसभा सांसद राजीव भारद्वाज सहित विधायक और अन्य गणमान्य लोग भी इस दौरान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज मंडी जिला के धर्मपुर में लौंगणी पंचायत के आपदा प्रभावित स्याठी गांव का दौरा कर बादल फटने से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत व पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। मंडी जिला में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 अन्य लापता हैं। गोहर उपमंडल में पांच, थुनाग में तीन, जोगिंद्रनगर व करसोग में एक–एक व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि हुई है। स्याठी गांव में प्रभावितों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख की इस घड़ी में प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है और प्रशासन को हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण के लिए विशेष राहत पैकेज और पशुधन के नुकसान के साथ–साथ नष्ट हुए गौशालाओं के लिए भी बढ़ा हुआ मुआवजा प्रदान किया जाएगा। प्रभावितों द्वारा जमीन उपलब्ध करवाने की मांग पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि यदि क्षेत्र में सरकारी भूमि उपलब्ध

होगी तो उन्हें आवंटित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मंडी–कोटली सड़क को हुए नुकसान का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बादल फटने की आठ से दस घटनाएं घटित हुई हैं और केंद्र व राज्य सरकारों को सामूहिक रूप से ऐसी घटनाओं के कारणों का अध्ययन करना चाहिए।

जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र सिराज में भारी वर्षा व बादल फटने से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने कुकलाह व बाखली में आपदा प्रभावितों से मुलाकात की और उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जयराम ठाकुर ने कुकलाह व बाखली सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए रोपवे की सुविधा को 24 घंटे व रियायती दरों पर बहाल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपना राशन व अन्य सामान रोपवे के माध्यम से ले जाने की अनुमति दी जाए क्योंकि लोगों के पास कोई और विकल्प नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने सराज के अन्य क्षेत्रों में भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए राहत व बचाव अभियान में तेजी लाने और राहत सामग्री जल्द पहुंचाने की भी प्रदेश सरकार से मांग की है।

अनिरूद्ध सिंह

ग्रामीण विकास व पंचायतीराज मंत्री अनिरूद्ध सिंह ने एनएचएआई अधिकारी के साथ मारपीट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। आज शिमला में एक पत्रकार वार्ता में पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि उन्होंने किसी से मारपीट नहीं की है और एफआईआर दर्ज होने से कोई दोषी साबित नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि एनएचएआई अवैज्ञानिक और गलत ढंग से कार्य कर रहा है जिससे राज्य में जानमाल का बड़ा नुकसान हो रहा है।

और जो पर्टिकुलरली एफआईआर की बात कर रहे हैं वो तथ्यहीन है। आई डिनाई फ्रॉम ऑल एलिगेशन ये केवल मात्र बिल्डिंग के लिए गिरी उनको पता था कि यह बड़ा मुद्दा बनेगा उसको कवर अप करने के लिए उन लोगों ने यह साजिश जो है रची है।

परीक्षा

प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा सहायक जिला अटॉर्नी और कृषि विकास अधिकारी के पदों के लिए ली जाने वाली परीक्षा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। आयोग की सचिव निवेदिता नेगी ने बताया कि इन पदों के लिए छंटनी और कौशल परीक्षा 6 व 7 जुलाई होनी थी। उन्होंने बताया कि मौसम के मौजूदा हालात को देखते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा को देखते हुए ये निर्णय लिया गया है और परीक्षा की नई तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी। _

मौसम

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मॉनसून सक्रिय होने से बारिश का क्रम जारी है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में दोपहर तक धूप निकलने से अस्त–व्यस्त जनजीवन को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। मंडी जिला में कई जगह बादल फटने की घटनाओं में जान–माल की भारी क्षति हुई है। जिला उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि इन घटनाओं में अब तक 10 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि 34 लोग लापता हैं जिनकी तलाश के लिए सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 3 सौ 70 लोगों का रेस्कयू किया गया है। मंडी जिले में 24 घर, 12 पशुशालाएं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्षा व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरफ व एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दल राहत व बचाव कार्य में जुटे हैं। उपायुक्त ने थुनाग उपमंडल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंदों के लिए रक्षा मंत्रालय और वायु सेना को पत्र लिखकर तत्काल हवाई मार्ग से राशन, दवाइयां व अन्य राहत सामग्री भेजने का आग्रह किया है।

——